Supplement—II Regd. No. CHD/0093/2015–2017

Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Govt. of Haryana

No. 52-2017] CHANDIGARH, TUESDAY, DECEMBER 26, 2017 (PAUSA 4, 1939 SAKA)

General Review

पशु पालन एवं डेरी विभाग, हरियाणा की वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट वर्ष 2016–2017 की समीक्षा।

दिनांक 21 नवम्बर, 2017

क्रमांकः41493 उपनि० (सांख्य).—

प्रस्तुत वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट पशुपालन एवं डेरी विभाग, हरियाणा की 50 वीं रिपोर्ट है। हरियाणा प्रदेश प्राचीन काल से अपनी हरयाणा नस्ल की गायों तथा मुर्राह नस्ल की भैंसों का घर होने के कारण भारत के मान–चित्र पर अपना विशेष स्थान रखता है। संकर प्रजनित पशुओं में चूँकि दूध उत्पादन क्षमता अधिक होती है इसलिए पशुधन में अधिकाधिक उत्पादन क्षमता का संचार करने हेतु संकर प्रजनन प्रणाली राज्य में प्रारम्भ की गई है। वर्ष 2016–2017 के दौरान 8.69 लाख गायों तथा 23.19 लाख भैंसों में कृत्रिम गर्भाधान किया गया जिसके फलस्वरुप 3.58 लाख बछड़े/बछड़ियाँ तथा 8.88 लाख कटड़े/कटड़ियाँ उत्पन्न हुई।

पशु स्वास्थ्य

वर्ष 2016–2017 के दौरान हरियाणा राज्य में 2816 पशु संस्थाएँ पशु स्वास्थ्य, प्रजनन तथा विभागीय अन्य सभी गतिविधियों हेतु कार्यरत रही हैं ।

हरियाणा पशु चिकित्सा टीका संस्थान, हिसार द्वारा 153.57 लाख टीके तैयार किए गए तथा पशुओं में रोग रोक–थाम हेतु 285.18 लाख टीके पशु चिकित्सा अमले द्वारा लगाए गए।

विशेष पशुधन प्रजनन कार्यक्रम

इस कार्यक्रम के अर्न्तगत वर्ष 2016–2017 मे 93 भेड़ पालन के लिए और 74 सूकर पालन इकाइयों के लिए अनुदान दिया गया इसके अतिरिक्त 3 दुधारू पशुओं की 2018 ईकाईयां स्थापित करवाकर भी उनको अनुदान राशि प्रदान की गई।

भेड़ तथा ऊन विकास कार्यक्रम

भेड़ प्रजनन फार्म, हिसार का मुख्य उद्देश्य बढ़िया नस्लों के मेंढे उत्पन्न करके प्रजनन कार्य हेतु भेड़ पालकों को रियायती दरों पर देना है । वर्ष 2016–2017 के दौरान इस फार्म के 299 उत्तम नस्ल के मेंढे भेड़ पालकों को प्रजनन हेतु दिए गए।

ऊन श्रेणीकरण केन्द्र, लोहारु तथा हिसार द्वारा भेड़ पालकों को दलालों के चंगुल से बचाने के लिए उनके घर द्वार से ही उचित दामों पर 27.57 टन ऊन खरीदी ।

बकरी विकास कार्यक्रम

उत्तम नस्ल के बकरों की मांग को राज्य में ही पूरा करने के लिए एक बकरी प्रजनन यूनिट की स्थापना राजकीय पशुधन फार्म, हिसार में की गई । यहाँ प्रजनन हेतु उत्तम नस्लों के बकरे पैदा करने के लिए बिट्ठल, ए. बी. क्रास, ए.बी. जे. क्रास, ए. जे. क्रास तथा बिट्ठल क्रास नस्ल की बकरियां रखी हुई हैं। रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान 63 उत्तम नस्लों के बकरे रियायती कीमत पर बकरी पालकों को दिए गए।

सूकर विकास कार्यक्रम

राजकीय सूकर फार्म अम्बाला तथा सूकर प्रजनन इकाई हिसार का मुख्य उद्देश्य यार्कशायर नस्ल के सूकर पैदा करके प्रजनन हेतु सूकर पालकों को रियायती दरों पर देना है। वर्ष 2016–2017 में राजकीय सूकर फार्म, अम्बाला से 65 तथा सूकर फार्म इकाई हिसार से 262 सूकर, सूकर पालकों को दिए गए।

राज्य में पशुधन एवं कुक्कुट विकास हेतु विभाग द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों के परिणामस्वरुप वर्ष 2016–2017 मे सैम्पल सर्वे के आधार पर दूध, अण्डा, ऊन तथा मांस की पैदावार क्रमशः 89.75 लाख टन दूध, 52139 लाख अण्डा, 6.91 लाख किलोग्राम ऊन तथा 427.48 लाख किलोग्राम मांस का उत्पादन अनुमानित किया गया।

डेयरी

डेयरी व्यवसाय का मुख्य उद्देश्य राज्य के शिक्षित बेरोजगार युवकों को 10/05/03 दुधारू पशुओं की डेयरी इकाई स्थापित कर स्वरोज़गार के अवसर प्रदान करवाना है। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत 1713 डेयरी ईकाइ स्थापित की गई। पशु आहार निर्माता एवं व्यवहारियों से मिश्रित पशु आहार, सांद्रण एवं खनिज तथा लवण की गुणवत्ता, समरुपता को पशु आहार आदेश 1999 के आधार पर सुनिश्चित करना तथा उनका पंजीकरण करना व भावी लाभ प्राप्तकर्ताओं हेतु 11 दिवसीय डेयरी प्रशिक्षण आयोजित कर उन्हें डेयरी व्यवसाय के वैज्ञानिक एवं तकनीकी साधनों से परिचित करवाना है । वर्ष 2016–2017 के दौरान 1958 व्यक्तियों को डेयरी प्रशिक्षण दिया गया।

वर्ष 2016–2017 के दौरान 3731 डेयरी यूनिट स्थापित की गई तथा 87 पशु आहार निर्माताओं व 183 व्यवहारियों को पंजीकृत किया गया और पूरे राज्य में 329 निर्माताओं एवं व्यवहारियों का अगले तीन वर्षों के लिए नवीनीकरण किया गया तथा 4 पंजीकरण रद्द किए गए।

पी० के० महापात्रा,
अतिरिक्त मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार,
पशुपालन एवं डेयरिंग विभाग।

REVIEW OF THE ANNUAL ADMINISTRATIVE REPORT OF ANIMAL HUSBANDRY AND DAIRYING DEPARTMENT, HARYANA FOR THE YEAR 2016-2017.

The 21st November, 2017

No. 41493 DD(Stat.).—

The present annual administrative report is the 50th issue of Animal Husbandry and Dairying Department, Haryana. Being the home track of Hariana breed of cows and Murrah breed of buffaloes from ancient times the State has a special place in livestock sector on the map of India. During the year 2016-17, 8.69 lac cows and 23.19 lac buffaloes have been inseminated and as a result 3.58 lac cow calves and 8.88 lac buffalo calves of improved genetic merit were born.

ANIMAL HEALTH

2816 Veterinary institutions remained in operation for attending health care, breeding work and other activities of the department during the year 2016-17.

Haryana Veterinary Vaccine Institute, Hisar produced 153.57 lac doses of prophylactic vaccines and 285.18 lac preventive vaccinations were performed by the veterinary staff.

SPECIAL LIVESTOCK BREEDING PROGRAMME (SCSP)

Under this programme 1009 families belonging to Scheduled castes were given subsidy in the shape of 2018 units of 3 milch animals, 93 sheep units and 74 piggery units were established.

SHEEP AND WOOL DEVELOPMENT PROGRAMME

The main objective of Sheep Breeding Farm, Hisar is to produce and supply good quality rams to the breeders at subsidized rates. During the year 2016-17, 299 rams of good breed were supplied to the sheep breeders for breeding purpose.

To save sheep breeders from the clutches of middle men, 27.57 tonnes wool was purchased from the doorstep of the sheep breeders on reasonable rates by Wool Grading-cum-Marketing Centres at Loharu and Hisar.

GOAT DEVELOPMENT PROGRAMME

A Goat Breeding Unit was established at Government Livestock Farm, Hisar to meet the demand of good quality bucks in the State .The quality bucks of Beetal, A.B. cross, A.B.J. cross, A.J. cross and Beetal cross breeds are maintained for breeding purposes. A total of 63 high quality bucks were sold on subsidised rates to the goat breeders during this period.

PIGGERY DEVELOPMENT PROGRAMME

The main objective of Pig Breeding Farm, Ambala & Hisar is to produce piglets of Yorkshire breed and to supply them to the pig breeders at subsidised rates for breeding purpose. 65 piglets from Ambala and 262 from Hisar were supplied to the pig breeders during this period.

As a result of various programmes being implemented by the department for the development of livestock and poultry in the State, the production of milk, eggs, wool and meat was estimated as 89.75 lac tonnes, 52139 lacs, 6.91 lac kgs.and 427.48 lac kgs, respectively during the year 2016-17.

DAIRY DEVELOPMENT

The main objective of dairy farming is to provide self employment opportunities to educated unemployed youth of the State through establishment of 10/05/03 milch animals dairy units and 1713 such dairy units were established. To ensure availability of good quality compounded cattle feed, concentrates and mineral mixture conforming to the provision of the Cattel Feed Order, 1999. The prospective beneficiaries of dairy units have been imparted 11 days dairy training with a view to introduce them to scientific and technical method of dairy farming. A total of 1958 persons were imparted dairy training during the year **2016-17.**

During the year 2016-17, 3731 units of dairy have been established. 87 cattle feed manufacturers and 183 dealers have been registered and the registration of 329 manufacturers/dealers was renewed for the next three years throughout the State. Likewise 4 registrations have been cancelled during the year 2016-17 in the State.

P. K. MAHAPATRA,
Additional Chief Secretary to Government Haryana,
Animal Husbandry & Dairying Department.

55836—C.S.—H.G.P., Chd.